(ख) इन लोगों के प्रशिक्षण का किस प्रकार उपयोग किया जाता है ?

कृषि मन्त्री (डा० पं० शा० देशमुख) : (क) ११२ ।

(ख) ट्रैक्टर प्रशिक्षण केन्द्र में दाखिल हुए प्रशिक्षणार्थियां की निम्न लिखित श्रेणियां हैं :—

(१) कृषकगण जिनके पास पर्याप्त भूमि, ट्रैक्टर और उपकरण (स्वामी चालकें) ।

(२) कृषकगण जिनके पास बहुत भूमि है, जो ये चाहते हैं कि उनके फार्मों में यान्त्रिक ढंग से खेती हो और जो सुधरी हुई खेती तकनीकी को अपनाते हैं ।

(३) वे व्यक्तिगण, जिन्होंने कृषि, यान्त्रिक या स्वयंचालित यन्त्र-शास्त्र में तकनीकी प्रशिक्षण लिया हो और जिनकी इच्छा है कि घने व्यवहारिक प्रशिक्षण के साथ अपनी विद्या सम्बन्धी पृष्ठभूमि को और अधिक मजबूत बनायें ।

(४) निजी और सरकारी फार्मों में ट्रैक्टर चालकें और यान्त्रिक, राज्य ट्रैक्टर संगठनें, सहकारी और व्यवहारिक फार्मिंग स्थापनें इत्यादि ।

(५) कृषि सामुदायिक विकास और अन्य विभागों के वे कर्मचारीगण, जो कि सुधरी खेती के तरीकों और तकनीकों को लोकप्रिय बनाने में लगे हुए हैं ।

इसलिए प्रशिक्षण के बाद अधिकांश लोग या तो अपने फार्मों को वापिस जाते हैं या उस पद पर चले जाते हैं जिस पर वे पहले से कार्य कर रहे हैं । वे मनुष्य, जिनके पास विद्या सम्बन्धी पृष्ठ भूमि जैसे यान्त्रिक । स्वयंचलित । कृषि यन्त्रशास्त्र में डिप्लोमा या डिग्री हैं, या तो सरकारी विभागों या निजी संगठनों में पदों पर काम करते हैं, जो कि ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनें इस्तैमाल करती हैं या अधिक प्रशिक्षण के लिए संस्थाओं या कालिजों में दाखिल होते हैं ।

दिल्ली में चकबन्दी

२६६५. **श्री नवल प्रभाकर** : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली में चकबन्दी से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान कर दिया गया है; और

(ख) यदि नहीं, तो कब तक किये जाने की आशा है ?

कृषि उपमन्त्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा): (क) और (ख). उन २५ गांवों में से, जहां पर चकबन्दी करने का प्रस्ताव था, १६ गांवों के भूमिदारों ने चकबन्दी के कार्य के विरुद्ध आपत्ति की है । दिल्ली प्रशासन ने बताया कि यद्यपि अधिनियम के अन्तर्गत, चकबन्दी अनिवार्य रूप से की जा सकती है, फिर भी गांव में व्यवहारिक रूप में चक बन्दी का कार्य वहां के ग्रामीणों की बड़ी संख्या में वास्तविक रूप में भाग लेने और सहायता करने के बिना सन्तोषजनक तौर पर नहीं किया जा सकता है । इन आपत्तियों के सम्बन्ध में निश्चय शीघ्र ही किये जाने की सम्भावना है ।

Stoppage of Trains at Howrah

2696. { **Shri Muhammed Elias:**
Shri Indrajit Gupta:
Shri Narayanankutty Menon: }

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that thousands of passengers were stranded on the 11th May, 1961 at Howrah Station

due to the sudden stoppage of trains; and

(b) if so, the reason therefor?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). On 11-5-1961 all trains left Howrah as per schedule till 22·30 hours when there was dislocation in train services due to breakage of overhead electrical equipment as a result of heavy storm. Consequently 19 Up Mithila Express, HB 71 Up and HB 73 Up could not be started on scheduled time from Howrah. As soon as the track was cleared, the passengers of HB 71 Up and HB 73 Up were despatched by a special train at 02·00 hrs. on 12-5-1961 and 19 Up Mithila Express also left Howrah at 02·11 hrs. on 12-5-1961.

Teleprinters Manufactured in India

2697. **Shri Radha Raman:**
Shri Shree Narayan Das:

Will the Minister of **Transport and Communications** be pleased to state:

(a) when the first batch of teleprinters manufactured in Government owned Hindustan Teleprinter factory is expected to come out;

(b) what will be its number and the cost of each and sale price fixed;

(c) whether the first lot of teleprinters or subsequent ones will have any other script than English; and

(d) if so, which other scripts?

The Minister of Transport and Communications (Dr. P. Subbarayan) (a) and (b). The first batch of 70 teleprinters assembled by the Hindustan Teleprinters Ltd., Madras, was ready at the end of June, 1961. The selling prices of the teleprinters have been fixed at Rs. 4,000 for a Tape model machine and Rs. 4,600 for a Page Model machine. As only seventy teleprinters have been assembled so far from imported parts no costing as such has been undertaken, but the prices have been fixed after taking into account the total anticipated expenditure during the next 5 years.

(c) and (d). The first few batches of teleprinters will have type-script only in English but later on it is proposed to introduce Hindi script also.

Sugar Mills in U.P.

2698. **Shri P. C. Borooah:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether a spokesman of U.P. Sugar Cane Growers, addressing a press conference at Allahabad on the 7th July, 1961 urged the Central Government to take over the Sugar Mills in U.P. who had failed to pay the dues to cane growers; and

(b) if so, what is the Government's decision in the matter?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) Enquiries made from the State Government reveal that they have no information about a spokesman of U.P. Sugar Cane growers having addressed a Press Conference at Allahabad in this regard.

(b) Does not arise.

Rural Water Supply Schemes in Punjab

2699. **Sardar Iqbal Singh:**
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether any amount has been allocated to Punjab in 1961-62 period for implementing rural water supply schemes in the state;

(b) if so, what amount; and

(c) the name and nature of schemes for which these allocations have been made?

The Minister of Health (Shri Karmarkar): (a) and (b). The Government of Punjab have made a provision of Rs. 8·8 lakhs under the